जीनस ब्रीडिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

कृत्रिम गर्भाधान की मानक कार्य पद्धति

- मादापशु म ऋतुकाल का अवाध का सहा जानकारा कृत्रम गभाधान का सफलता का कुजा ह ।ऋतुकाल क दौरान सहा समय पर ाकए गए कृत्रम गभाधान स हा पशु का गाभत ाकए जान का दर म व्राद्ध का जा सकती है ।
- गभाधान का सफलता का कुजा ह ।ऋतुकाल क गभाधान पशुपालक क द्वार पर हा ाकया जाना चाहए ।ऋतुकाल के दौरान पशु को एक स्थान सहा समय पर ाकए गए कृत्रम गभाधान स हा पशु का गाभत ाकए जान का दर म व्राद्ध का जा
- पशुपालक द्वारा पशु क गमा म हान का जानकारा ामलन पर कृत्रम गभाधान जहा तक सभव हा कृत्रम गभाधान चाहए ।इसक उपरात उस पशुपालक का अपन सभावत कायक्रम का जानकारा दना चाहए ।
- पशुपालक क द्वार पर पहुचने क उपरात गभादन कायकता का सुनाश्चत करना चाहए का पशु गमा का सहा अवस्था म ह। पशुपालक क द्वार पर हा ाकया जाना चाहए ।ऋत बाधा गया हा ाक पशु क गल एव पशु घूम न पाये ।
- स दूसर स्थान तक ल जान म गभ दर क प्रभावत हान का सभावना रहता ह।

❖ **प्रथम चरण**

- पशु को भली भांति खूटे द्वारा पशु क गमा म हान का जानकारा ामलन पर कृत्रम गभाधानधान कायकताओ को पशु के गभाधान न पकड़ने के लिए करना चाहए ।
- कायकता ध्यान रख ाक उगालया क नाखून कट हुय हा तथा हाथ म अगूठा आाद न पहना गया हा।पशु तथा स्वय ाक सुरक्षा क कायकता का सव प्रथम गमा क लक्षणा का जानकारा लना पहनी जाये। चाहए ।इसक उपरात उस प का अपन सभावत कार
- स्लाव पहनने के उपरांत हाथ को यक्रम का जानकारा र को दना चाहए । ानकलन ाक प्रताक्षा कर.
- क द्वार पर क उपरात गभादन कायकता का सुनाश्चत करना चाहए का पशु गमा का सहा अवस्था म ह। कर ाक पशु गाभन ता नहा ह। यह भा सुनाश्चत ाकया जाना चाहए ाक गाय का रस्सा स एव भस का चन स इस प्रकार

❖ बाधा गया हुआ क पशु क गल एव **चरण**

- खूट क मध्य न्यूनतम दूरा रह तथा कृत्रम गभादान का प्राक्रया क दारान पात्र का ढक्कन उठाय । ध्यान रख क ढक्कन धार धार उठाया जाए तथा पात्र क अदर फूक न मारा जाए । एसा न करन पर पात्र क अंदर देखना असंभव हो जाता है ।

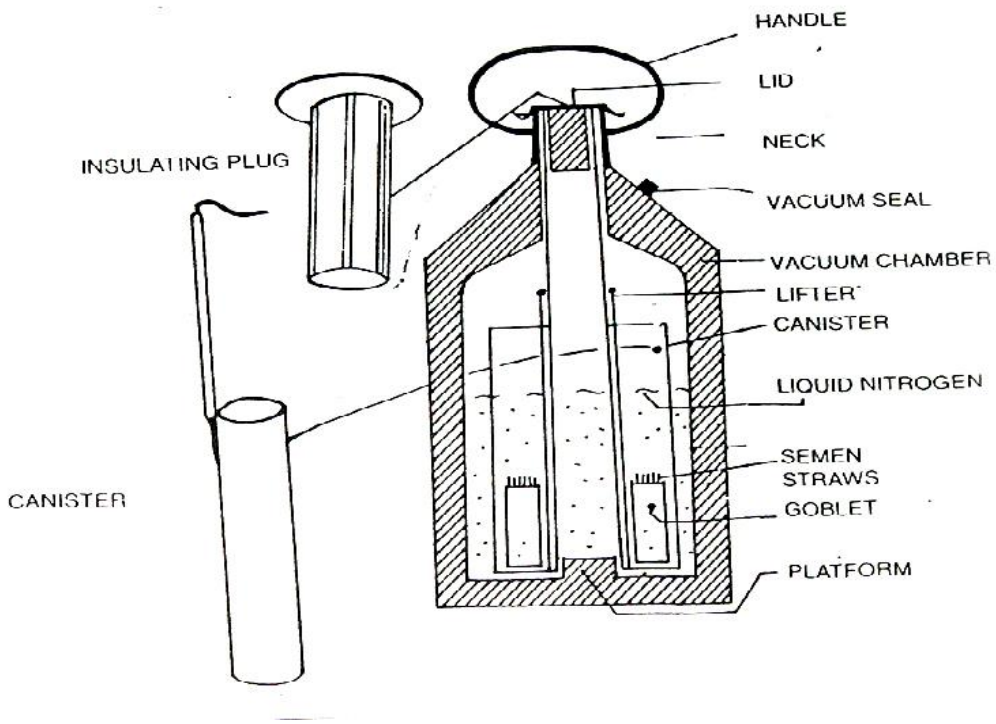

तरल नत्रजन पात्र

- स्ट्रा निकालते समय य ध्यान रख ाक कानस्टर पात्र का गदन स ऊपर न उठाया जाय. इसके लिए कानस्टर पर हमशा उसम रख गए वाय स सबान्धत टग लगाना चाहए।

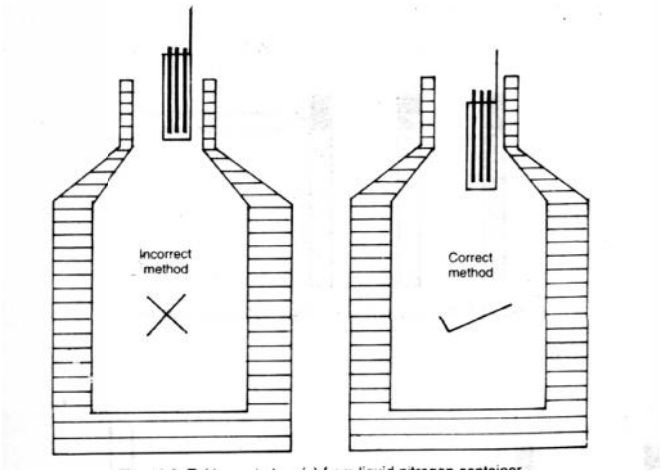

- तरल नत्रजन पात्र का बद कर द ।
- पात्र म समय समय पर तरल नत्रजन ाक मात्रा ाक जाच डप स्टक ाक सहायता स का जाना चाहए

- इच्छित स्ट्रा को चिमटा की सहायता से बाहर निकालना चाहिए तथा उसे हल्के से झटका जाना चाहिए ताकि न केवल इस पर लगा आतारक्त नत्रजन हट जाए बाल्कि स्ट्रा के अदर स्थित एयर स्पेस भी सही स्थान (लैब साल्ड एड) पर आ जाए ।
- स्ट्रा को बाहर निकालते ही 37 डिग्री तापमान के पानी में इस प्रकार डुबाये की पूरा स्ट्रा एक साथ पानी में डूब जाए।
- यह ध्यान रखे कि पानी का उचित तापमान पर होना अत्यंत आवश्यक है ॥पानी का तापमान ज्ञात करने के लिए अपनी उगली का प्रयोग कदापि न करे ।इसके लिए सदैव ए.बी.एस या मॉनिटर का उपयोग करे ।
- स्ट्रा को 37 डिग्री तापमान के पानी में 30-60 सेकंड तक गरम करना चाहिए।
- स्ट्रा को गरम करने के पश्चात उसे पानी से बाहर निकाले तथा एक साफ कपड़े अथवा टिशू पेपर से पोछ ले ताकि स्ट्रा कि सतह पर पानी न रहे ।
- अब स्ट्रा को ए.बी.एस स्ट्रा कट्टर कि सहायता से लब साल्ड सिर पर काटे । ए.बी.एस स्ट्रा कट्टर ये सुनाश्चित करता है कि स्ट्रा एकदम साधा कटा है ।
- स्ट्रा को काटने के पश्चात ए.आई गन में लोड कर तथा उसके ऊपर डिसपोसेबल शीथ सावधानीपूर्वक चढ़ाये ।ये ध्यान रखे कि शीथ भली भाति लोक हो गया है तथा उसके आगे पीछे खिसकने कि सभावना नही है।
- कृत्रिम गर्भाधान की सफलता के लिए आवश्यक है कि गर्भाधान सही समय पर किया गया हो तथा वीर्य को सही स्थान पर छोड़ा गया हो ।
- गर्भाधान के सबसे उपयुक्त स्थान सीवक्स के तुरत बाद Uterine Body है ।

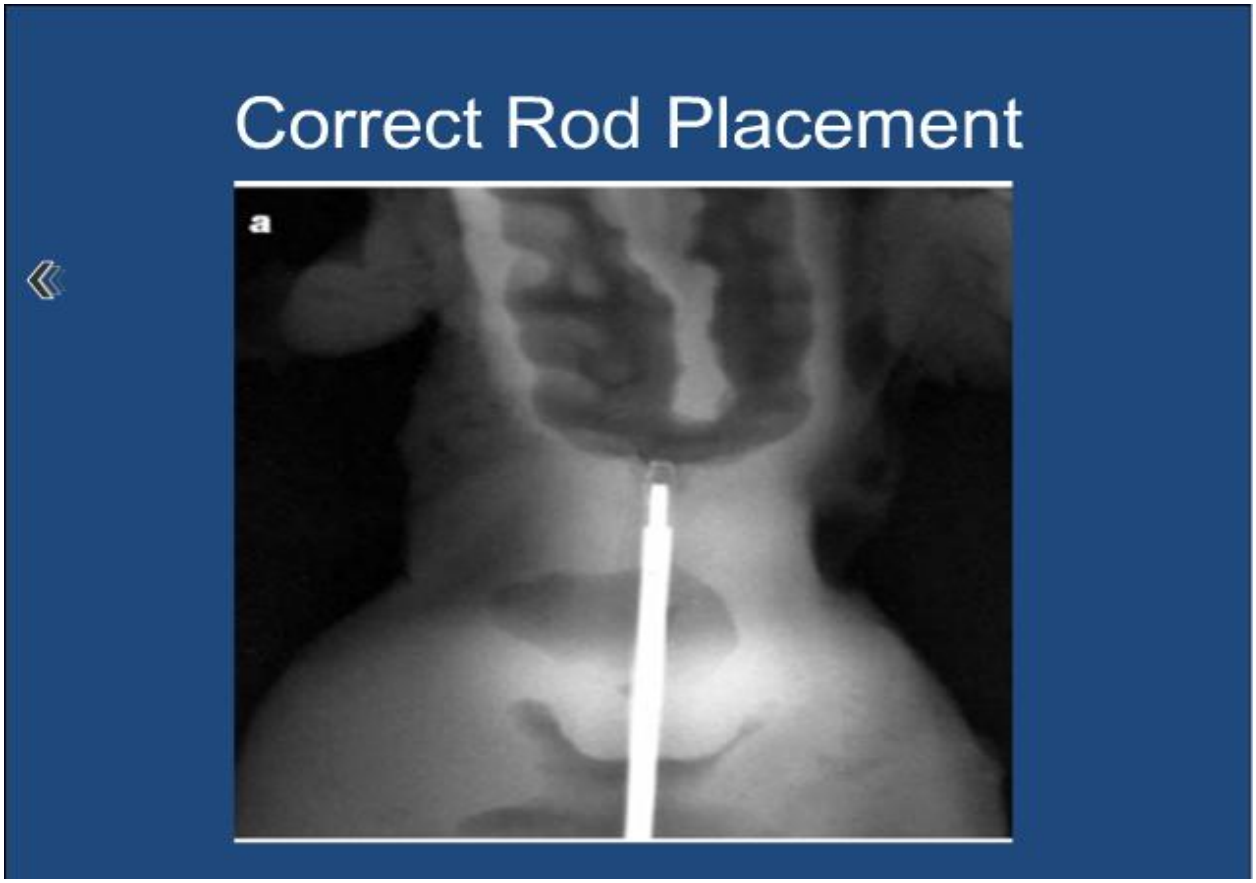

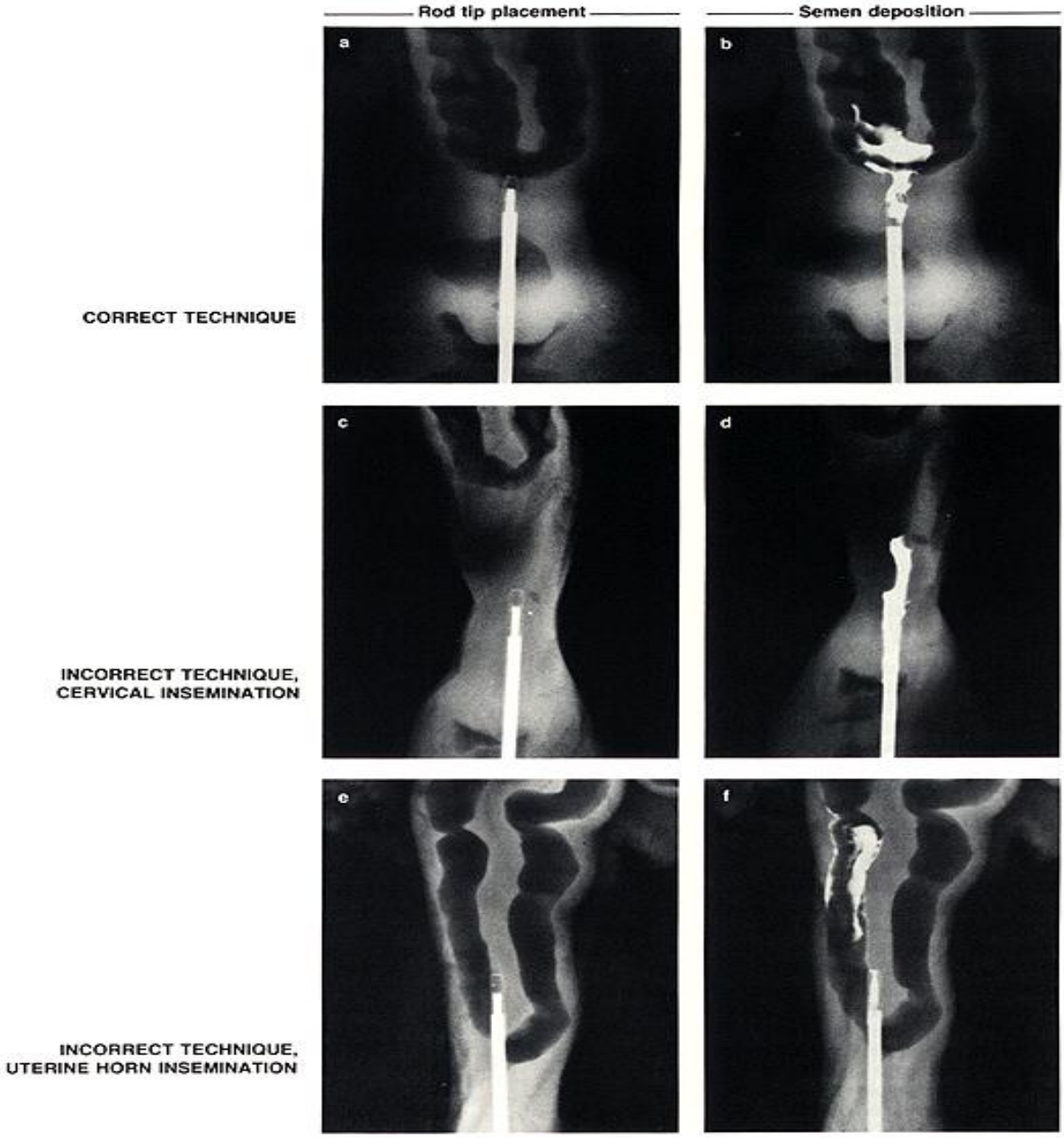

Figure 2. Radiographs of excised cow reproductive tracts illustrating insemination rod tip placement (left) and distribution of radiopaque semen (right) following correct AI technique (a,b) and incorrect techniques (c,d,e,f).

- प्रत्यक कृात्रम गभाधान के लिए नइ शाथ तथा स्लाव्स का उपयाग किया जाना चाहिए ।
- कृात्रम गभाधान क उपरात उपयाग किए गए स्ट्रा का समस्त जानकारा – सांड नंबर ,नाम ,बच नबर आाद का ववरण पाजका म आनवाय रूप स आकत कर।